यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2024

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 12 तत्व

अंक -100

नाम.. पिता/पति का नाम..

शहर का नाम.............................. जन्मतिथि.............................. मोबाइल.............................. रोल नं ....

नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

गमक का थोकड़ा

प्रश्न 1. अंकों में उत्तर दीजिए- **10**

1. करोड़ पूर्व की स्थिति वाले मनुष्य की अवगाहना कितनी होती है? ....
2. 44 घर में नवग्रैवेयकों के घर का नम्बर क्या है? ....
3. अर्द्ध नाराच संहनन वाला जलचर उत्कृष्ट कौनसी पृथ्वी तक जाता है? ....
4. वैक्रिय के 14 घरों में दो प्रकार के युगलिक जाते है यह कौनसा भव-स्थान है? ....
5. 5 स्थावर के घरों में 5 स्थावर जावे और जघन्य 2 भव उत्कृष्ट 8 भव करें तो कितने गमक होते है? ....
6. पृथ्वीकाय के घर में 14 प्रकार के देवता जावे तो कितने नाणत्ता होते है? ....
7. स्तनितकुमार के घर में जाने वाले मनुष्य की जघन्य स्थिति कितनी होती है? ....
8. पहले-दूसरे देवलोक में तिर्यंच युगलिक जावे तो कितने गमक होते है? ....
9. ज. 2 भव उत्कृष्ट संख्यात भव के कितने गमक होते है? ....
10. ऋद्धि के 20 बोलों में कितने बोलों में नाणत्ता पड़ता है? ....

प्रश्न 2. संक्षेप में उत्तर दीजिए- **10**

1. नवग्रैवेयक के घर में संज्ञी मनुष्य जावे तो उत्कृष्ट कालादेश कितना होगा?

....

2. युगलिक में जीवन पर्यन्त क्या नहीं बदलती है?

....

3. अपर्याप्त जीव काल करके तिर्यंच में जावें तो अध्यवसाय कैसे होते है?

....

4. छठाँ गमक कौनसा है?

....

5. मनुष्य के घर संबंधी कौनसे जीव है?

....

6. वैक्रिय के 26 घरों की अपेक्षा लगातर गमनागमन करे तो तिर्यंच पंचेन्द्रिय कितने भव कर सकता है?

....

7. वैक्रिय का ऐसा कौनसा घर है जहाँ के जीव सिर्फ तीन गमक से ही जाते-आते है?

....

8. वाणव्यन्तर के घर में उत्कृष्ट गमक से जाने वाले युगलिक मनुष्य में किन बोलों में नाणत्ता पड़ता है?

....

9. उत्कृष्ट से जघन्य गमक से 5 स्थावर के घरों में वनस्पति का जीव जावे तो प्रति समय आसरी उत्कृष्ट परिणाम कितना होता है?

....

10. दो कायों का जुड़ाव क्या कहलाता है?

....

प्रश्न 3. भवादेश और कालादेश बताएं- 10

1. उत्कृष्ट स्थिति वाला तिर्यंच युगलिक काल करके असुरकुमार के घर में औधिक से उत्कृष्ट गमक से जावे तो जघन्य भवादेश और जघन्य कालादेश कितना होगा?

....

2. वनस्पति का जीव उत्कृष्ट से उत्कृष्ट गमक से मनुष्य के घर में परस्पर गमनागमन करे तो उसका उत्कृष्ट भवादेश और कालादेश कितना होगा?

....

3. 25 वर्ष की वय वाला मनुष्य सौधर्म देवलोक में जावे तो जघन्य व उत्कृष्ट भवादेश और कालादेश क्या होगा?

....

4. असंज्ञी मनुष्य काल करके अप्पकाय के घर में औधिक से जघन्य गमक से जावे तो उत्कृष्ट भवादेश और कालादेश क्या होगा?

....

5. मनुष्य की जघन्य अवगाहना और जघन्य स्थिति कितनी होती है? जघन्य और उत्कृष्ट गमक से कितने नाणत्ता होते है?

....

प्रश्न 4. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए– **15**

1. तिर्यंच पंचेन्द्रिय के घर में वैक्रिय के कितने जीव आते है जो ज. 2 भव उ. 8 भव करते है? उनके आगति स्थान कितने है?

....

2. दो प्रकार के युगलिक किन घरों में सात गमक से जाते है? वे घर कौन से है? कौन से गमक से नही जाते है? वे गमक लिखे?

....

3. 100 वर्ष की स्थिति वाला वज्रऋषभनाराच सहंनन वाला शेर काल करके नरक में जावे तो उत्कृष्ट कितनी स्थिति पाता है?

....

4. औदारिक के घर संबंधी कितने गमक टूटते है? घर और जीव दोनों बताएं?

....

5. आठवें देवलोक में जाने वाले संज्ञी मनुष्य की जघन्य अवगाहना और जघन्य उत्कृष्ट गमक से कितने नाणत्ता होते है?

....

6. मनुष्य युगलिकों को कितने विभागों में विभाजित किया गया है? वे विभाग कौन से है?

....

7. ज्योतिषी में जाने वाले दो प्रकार के युगलिक की जघन्य अवगाहना और जघन्य स्थिति कितनी होती है?

....

8. छठी पृथ्वी का नैरयिक काल करके मनुष्य के घर में आवे तो जघन्य कितनी स्थिति पाता है और तिर्यंच पंचेन्द्रिय के घर में जावे तो उत्कृष्ट कितनी स्थिति पाता है?

....

9. संज्ञी-असंज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय अंतर्मुहूर्त में कितनी अवगाहना पूरी कर सकते है?

....

10. संज्ञी मनुष्य वैमानिक देव के घर में जावे तो कुल गमक ओर नाणत्ता कितने होते है?

....

दिशाणुवाय

प्रश्न 5. रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए- **10**

1. सातवी पृथ्वी के नैरयिक ....दिशा में असंख्यात गुणा है।
2. उत्तर दिशा में संख्यात योजन वाले किसी एक ....में मानस सरोवर है।
3. ....दिशा में चन्द्र द्वीप है।
4. श्रेणी में रहे पंक्ति विमान .... प्रविष्ट कहलाते है।
5. वायुकाय ....दिशा में अधिक है।
6. पूर्व दिशा में .... पृथ्वी अधिक है।
7. कृष्ण पाक्षिक जीव ....दिशा में बहुत उत्पन्न होते है।
8. बादर तेउकाय सबसे अधिक ....दिशा में है?
9. ....में केवल पूर्व दिशा में पुष्यावकीर्ण विमानों का अभाव दर्शाया गया है।
10. ....के वास परिचम दिशा में बहुत है।

प्रश्न 6. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए- **10**

1. पूर्व दिशा की अपेक्षा परिचम दिशा में वायुकाय विशेषाधिक क्यों है?

....

2. मनुष्य किस दिशा में सबसे कम है? कारण बताए?

....

3. शुक्ल पाक्षिक किसे कहते है?

....

4. गौतम द्वीप किस दिशा में है? ये कहाँ है और कितना लंबा चौड़ा है?

....

5. पुष्पावकीर्ण विमान किसे कहते है? किस सूत्र की टीका में पूर्व पश्चिम दिशा में इनका अभाव बताया गया है?

....

6. ज्योतिषी देवता किस दिशा में सबसे अधिक है? कारण स्पष्ट करें।

....

7. सिद्ध भगवान किस दिशा में अधिक है? क्यों?

....

8. शार्करा पृथ्वी के दक्षिण दिशा के नैरयिकों की अपेक्षा किस पृथ्वी के किस दिशा में नैरयिक असंख्यात गुणा कम है?

....

9. भवनपति देव किस दिशा में सबसे थोड़े है और किस दिशा में अधिक है? चारों दिशा की अपेक्षा कारण सहित बताए?

....

10. भाव दिशा के 18 भेद कौन-से है?

....

अजीव पर्याय

प्रश्न 7. सही विकल्प चुने- **10**

1. जघन्य अवगाहना वाले पुद्‌गल ऐसे ही दूसरे पुद्‌गल से प्रदेश की अपेक्षा होते है?

अ. चतुःस्थान ब. द्विस्थान स. तुल्य द. षट्‌स्थान

2. उत्कृष्ट गुण मृदु वाला अनंत प्रदेशी स्कंध उत्कृष्ट गुण मृदु वाले अनंत प्रदेशी स्कंध से स्थिति की अपेक्षा क्या है?

अ. तुल्य ब. त्रिस्थान स. चतुःस्थान द. द्विस्थान

3. जघन्य स्थिति वाले परमाणु जघन्य स्थिति वाले परमाणु से अवगाहना की अपेक्षा होता है?

अ. तुल्य ब. चतुःस्थान स. कंथचित 1 प्रदेश हीन द. षट्‌स्थान

4. उत्कृष्ट अवगाहना वाले असंख्यात प्रदेशी स्कंध में वर्णादि के बोल पाए जाते है?

अ. 20 ब. 15 स. 19 द. 16

5. एक समय की स्थिति वाले पुद्‌गल एक समय की स्थिति वाले पुद्‌गल से अवगाहना की अपेक्षा क्या होता है?

अ. षट्‌स्थान ब. तुल्य स. चतुःस्थान द. द्विस्थान

6. संख्येय प्रदेशावगाढ पुद्‌गल ऐसे ही दूसरे पुद्‌गल से प्रदेश की अपेक्षा कितने स्थान हीनाधिक हो सकता है?

अ. द्वि स्थान ब. चतु:स्थान स. तुल्य द. षट्स्थान

7. जघन्य गुण तिक्तरस वाला पुद्गल ऐसे ही दूसरे पुद्गल से कितने स्थान पतित हो सकता है।

अ. चतु:स्थान ब. तुल्य स. षट्स्थान द. कोई भी नही

8. एक असंख्यात प्रदेशी स्कंध दूसरे अंसख्यात प्रदेशी स्कंध से प्रदेश की अपेक्षा कितने स्थान हीनाधिक हो सकता है।

अ. चतु:स्थान ब. द्विस्थान स. षट्स्थान द. तुल्य

9. अंसख्यात समय की स्थिति वाले पुद्गल में वर्णादि पाए जाते है?

अ. 20 ब. 19 स. 16 द. 15

10. दस गुणा सुरभि गंध वाला पुद्गल दस गुण सुरभि गंध वाले पुद्गल से गंध की अपेक्षा कितने स्थान हीनाधिक हो सकता है?

अ. तुल्य ब. षट्स्थान स. चतु:स्थान द. कोई भी नही

प्रश्न 8. सही / गलत बताए– 10

1. संख्यात प्रदेशावगाट पुद्गल के वर्णादि के 16 बोल ही पाए जाते है। ( )

2. एक त्रिप्रदेशी स्कंध दूसरे त्रिप्रदेशी स्कंध से द्रव्य की अपेक्षा हीनाधिक होता है। ( )

3. मध्यम गुण काले वर्ण वाला अनंत प्रदेशी स्कंध ऐसे ही दूसरे स्कंध से काले वर्ण की अपेक्षा षट्स्थान पतित होता है। ( )

4. जघन्य स्थिति वाला पुद्गल जघन्य स्थिति वाले पुद्गल से अवगाहना की अपेक्षा द्विस्थान पतित होता है। ( )

5. उत्कृष्ट कर्कश गुण वाला असंख्यात प्रदेशी स्कंध उत्कृष्ट कर्कश गुण वाले अंसख्यात प्रदेशी स्कंध से स्थिति की अपेक्षा चतु:स्थान पतित होता है। ( )

6. मध्यम स्थिति वाला अनंत प्रदेशी स्कंध मध्यम स्थिति वाले अनंत प्रदेशी स्कंध से द्रव्य और स्थिति की अपेक्षा तुल्य होता है? ( )

7. उत्कृष्ट अवगाहना वाला अनंत प्रदेशी स्कंध उत्कृष्ट अवगाहना वाले अनंत प्रदेशी स्कंध से स्थिति और अवगाहना से तुल्य होता है। ( )

8. मध्यम स्थिति वाला द्विप्रदेशी स्कंध वर्णादि 16 बोल की अपेक्षा दूसरे मध्यम स्थिति वाले द्विप्रदेशी स्कंध से षट्स्थान पतित होता है। ( )

9. असंख्यात प्रदेशी स्कंध की जघन्य अवगाहना एक आकाश प्रदेश और उत्कृष्ट अवगाहना लोकाकाश प्रदेश प्रमाण होती है। ( )

10. परमाणु एक आकाश प्रदेश पर ही रहता है। ( )

प्रश्न 9. निम्न प्रश्नों का उत्तर दीजिए– 15

1. पुद्गल की जघन्य और उत्कृष्ट और उत्कृष्ट स्थिति कितनी होती है?

....

2. रूपी अजीव पर्याय के कितने भेद है? कौनसे?

....

3. संख्यात आकाश प्रदेशावगाढ़ पुद्गल में वर्णादि के कितने बोल पाए जाते है? जो बोल नहीं पाए जाते है वे लिखे?

....

4. वर्णादि 20 बोल वाले अनंत प्रदेशी स्कंध कितने आकाश प्रदेशावगाढ़ होते है? इनमें सूक्ष्म या बादर कौनसा परिणाम पाया जाता है?

....

5. अचित्त महास्कंध कितना प्रदेशी स्कंध होता है। इसकी अवगाहना कितनी होती और स्थिति कितनी होती है? इनमें वर्णादि के कितने बोल पाए जाते है?

....

6. दो प्रदेशी स्कंध मध्यम स्थिति वाला होता है परन्तु मध्यम अवगाहना वाला नहीं होता है? कारण बताए?

....

7. उत्कृष्ट अवगाहना वाला संख्यात प्रदेशी स्कंध उत्कृष्ट अवगाहना वाले संख्यात प्रदेशी स्कंध से प्रदेश की अपेक्षा कितने स्थान पतित होता है? कौन-कौन से स्थान है?

....

8. मध्यम अवगाहना वाला पाँच प्रदेशी स्कंध मध्यम अवगाहना वाले पाँच प्रदेशी स्कंध से अवगाहना की अपेक्षा कितना हीनाधिक हो सकता है?

....

9. संख्यात गुण पीले वर्ण वाले पुद्गल संख्यात गुण पीले वर्ण वाले पुद्गल से प्रदेश, स्थिति और वर्णादि की अपेक्षा कितने स्थान हीनाधिक हो सकता है?

....

10. जघन्य गुण शीत वर्ण वाले परमाणु पुद्गल जघन्य गुण शीत वर्ण वाले परमाणु पुद्गल से द्रव्य, प्रदेश, अवगाहना, स्थिति और वर्णादि की अपेक्षा कितने स्थान हीनाधिक होता है?

....